भारतीय बोधकथा तथा विज्ञापन निर्माण

श्री –अमोल मच्छिंद्र दहातोंडे.
कला वाणिज्य व विज्ञान महविद्यालय माका
मो .9975184040
Mail ID-amolmdahatonde@gmail.com.

21 वी सदी मे भारत अपनी अर्थव्यवस्था एवं आबादी के कारण विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनीयों को अपनी तरफ आकर्षित कर रहा है। यह भारतीय समाज की बढती हुई आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। आज भारतीय समाज विभिन्न वस्तु के प्रयोग पर खासा जोर दे रहा है जो वस्तू की ब्रँड,सेवाओ को देना तथा इनके प्रचार-प्रसार करने का एक स्थान बन चुका है। हर कंपनी का प्रमुख लक्ष्य है उत्पाद और उसकी विक्री व्यवस्था को बढाना। वस्तुतः किसी भी वस्तू, सेवा, उत्पाद का विज्ञापन करके उसकी उत्पादकता, गुणवत्ता, सुधार, एंव सुधारित नव वस्तूओं का उत्पादन आदी मे सुधार करना अनिवार्य बन जाता है। क्योंकि यदि बाद मे गुणवत्ता न हो तो ग्राहक उस वस्तू,उत्पाद,माल का इस्तेमाल नही करेगा इस कारण यदि कंपनी को अपने उत्पाद को बेचना है तो विज्ञापन को ही पुरी चैन सिस्टीम के सर्वोच्य स्थान पर माना जा सकता है।

विज्ञापन शब्द का शब्दकोषीय अर्थ है- 'विशेष सूचना देना' या 'सार्वत्रिक घोषणा करना' है विज्ञापन शब्द जो- वि-विशेष और ज्ञापन- 'सूचना या ज्ञान देना' होता है। 1

इन दोनों शब्दो कों मिलाकर ही विज्ञापन शब्द बनता है। विज्ञापन शब्द अंग्रेजी की 'एडवर्टाइजमेंट' शब्द का हिंदी अनुवाद है। विज्ञापन का प्रमुख उद्देश किसी वस्तू, उत्पाद, सेवा का प्रचार-प्रसार करना है. ताकी ग्राहक या भोक्ता का ध्यान आकर्षित किया जा सके और उन्हे अपनी वस्तू या उत्पाद की विक्री बढाने का सही मौका मिले साथ ही जनजागृती करके अधिक से अधिक वस्तूओं प्रचार-प्रसार हो सके और कंपनी आपने इच्छित लक्ष को पूरा कर सके जो कि अधिक से अधिक लाभ कामना है।

आज भारतीय बाजार मे विविध वस्तूओं की भरमार है इसमे उच्च गुणवत्ता,किमत विभिन्न प्रकार के लाभ, फ्लेवर,डिस्काउंट आदी बातो का विशेष ध्यान रखा जाता है इन सभी का विज्ञापन देते समय भी ध्यान रखा जाता है ताकी ज्यादा से ज्यादा ग्राहक वस्तूओं,सेवाओं की ओर आकर्षित हो और ग्राहक को एक उच्य गुणवत्ता की विभिन्न कपनीओं की वस्तू कम से कम किमत पर मिले और ग्राहक के हितो की रक्षा की जा सके. किंतु भारतीय ग्राहक भी जो वस्तू खरीदते है उसे भी नाप-तोलकर, सही-गलत की पहचान करकर ही खरीदते है साथ ही पैनी दृष्टी से वस्तू को परखते भी है। जिसमे भावना,सांस्कृतिक जुडाव, पुरानी यादे एवं धार्मिक दृष्टिकोन आदी बातों का एक मिला जुला असर ग्राहक पर होता ही है। इन्ही बातो को ध्यान मे रख कर ही ग्राहक वस्तूओं को खरीदता है। इन्ही बातों का ध्यान कंपनीयां अपने विज्ञापन में रखती है।

किसी भी मनुष्य को कथा कहानी को सुनना अच्छा लगता है। जिसका वह भावनिक और धार्मिक दोनों दृष्टी से कथा का संबध अपने जीवन से लागता है। और उसके अनुरूप ही अपना जीवन ज्ञापन करता है। कभी-कभी इन कथाओं का मनुष्य जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव पडता है। जो सकारात्मक तथा नकारात्मक दोनों प्रकार से होता है। खास कर भूत –प्रेत, पिशाच, प्रेम, पारिवारिक संबंध, धार्मिक दृष्टिकोन आदि। उदा स्वरूप- विक्रम बेताल की कहानी जिसका प्रभाव भारतीय समाज के जन-मन पर गहराई से पडा है। भारतीय विज्ञापन विधा में इस कथा तथा पात्रों का प्रयोग खूब किया गया है। प्रस्तुत हर्पिक के विज्ञापन में राजा विक्रम- बेताल और निन्ज्जा हतोरी के बिच कि बातचीत को दर्शया गया है। जो दोनों काल्पनिक

तथा जादुई होते हुए अपना गहरा प्रभाव डालता है। प्रस्तुत विज्ञापन जो मनोरंजन के साथ साफ-सफाई के महत्व को दर्शाता है।

।मानव उत्क्रांती की कहानी को दर्शात विज्ञापन मेंटौस जो कि एक रेफ्रेश्मेंट कि गोली है जिसका स्लोगन है - 'मेंटौस जो दिमाग की बत्ती जलाता है'। प्रस्तुत विज्ञापन में बंदर और गधे को चित्रित किया गया है। गधा बंदर को मेंटौस खाने को देता है जिसे खाकर बंदर से आज के उत्क्रांत मानव तक का सफर फौरन तय करता है। यह विज्ञापन युवा वर्ग को ध्यान में रखकर बनाया है। जो मानव उत्कांती को दर्शाता है। 2

मानव अपनी विचार शक्ती के माध्यम यह दिखाने की कोशिश करता है कि वह अन्य व्यक्ती की तुलना में अधिक समझदार है। उसके द्वारा किया जानेवाला हर व्यवहार समझदारी भरा काम है। इसी समझ और मिथक को तोडते हुए टाटा स्काय TV चैनलवालों ने अपने TATA SKY सेट टॉप बॉक्स का विज्ञापन देते हुए गधे का प्रयोग किया है जिसमें गधे द्वारा बताया जाता है कि आपके द्वारा भरे गए पैसे डिपॉझिट के तौर पर लिये गए है जो आपके पसंद एवं चयन द्वारा ही चैनलों पर पैसे चार्च किए जायेंगे यह विज्ञापन भारतीय पारंपारिक समझ एवं परिकल्पनाओं को तोडने का कार्य करता है। 3

ऐसा ही और एक विज्ञापन है फेवी विक का जिसमें भारत और पाकिस्तान की सिमा वाघा बॉर्डर का चित्रण है। जिसमें सिमा पर तैनात दो जवान जब मार्च करते है। तब पाकिस्तान के सिपाही का बुट निचे से फट जाता है तब आरतीय जवान बिना किसी की नजर में आए बिना झट से फेवी विक से बूट को चिपका देता है। यह इतना तुरंत होता है कि किसी को कुछ भी समझ नही आता परंतु पाकिस्तानी जवान जब स्लोमोशन में देखता है तब उसकी समझ में सब आ जाता है। यह विज्ञापन भारतीय जनता और पाकिस्तान की जनता द्वारा किए जानेवाली नफरत को कम करने के प्रयास के तौर पर देखा गया और काफी पसंद भी किया गया था। 4

इसके अलावा भी अन्य कई विज्ञापन है जिसमें से कॅमलीन परमंनट मार्कर पेन का विज्ञापन है। जो एक स्त्री को पती मृत्यू के बाद भी विधवा की होने से बचाता तुरंत बाद उसका पती भी मृत्यू शय्या से उठ खडा होता है। ऐसा ही एक और विज्ञापन जो भारतीय समाज कि धार्मिक भावनाओं को दिखता है जिसमे सायकल ब्रांड अगरबत्ती का है। जिसमे एम.एस. धोनी को दिखाया गया है। इस विज्ञापन में धार्मिक भावनाओं के आधार पर झेड ब्लॉक अगरबत्ती बेचने कार्य किया जाता है। इस विज्ञापन में कहाँ गया है कि 'प्रार्थना की शुद्धता की झेड ब्लॉक अगरबत्ती' जिसके बाद यह सायकल ब्रांन्ड काफी लोकप्रिय हुआ। 5

भारतीय समाज में सांस्कृती और प्राचीन परंपराओं को लेकर आज भी कई तरह का प्रचलन है। इन्ही का प्रयोग कंपनी सांकृतिक कथाओं,घटनाओं, पात्रों, संवादों,देशकाल एवं वातावरण आदि को लेकर विज्ञापन में करती है। समाज उन विज्ञापनों को देखेगा जरूर और इस्तेमाल भी करेंगा यही इन कंपनीयों रणनिती होती है। जिसके दम पर वह ग्राहकोकों अपनी तरफ आकर्षित करने में सफल होती है। आज के इस विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा संगणकीय युग में विज्ञापन में जनभावना, संस्कृती तथा सामाजिक सबंध आदी को आधार बनाकर ही विज्ञापन का निर्माण किया जाता है। इन सभी बातों का कुच्छ फायदा भी है और नुकसान भी है। जनमानस की भावनाओं के साथ खेलने का प्रयत्न भी अनेक कंपनीयां करती है। जिसका निगेटिव्ह प्रभाव भी होता है। संक्षेप में कहाँ जा सकता है कि भारतीय बोधकथाएं तथा संस्कृतिक इस विज्ञापन विधा कि एक अमुल्य धरोहर है। जो समाज के विकास को भी गति देता है। जैसे-जैसे नए उत्पाद आएगे वैसे-वैसे नये विज्ञापन आते रहेगें और हमारे समाज को मनोरंजन के साथ-साथ जागृत भी करते रहेंगे।

संदर्भ सूची -

1. प्रयोजन मूलक हिंदी - विनोद-गोदरे PugeNo 193, वाणी प्रकाशन संस्करण – 2018- ISBN 978-93-5229-501-2.

2.. Mientos -Add 30 Apr-2010

3. Tata sky- Add -Oct 13-2025

4. Fevi Qwik - Add -17feb-2021

5. Camlin Marker Pen -Add -sept-2022

• **Copyright & License:**
© Authors retain the copyright of this article. This work is published under the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY 4.0), permitting unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited.